# …ा का उद्धारकर्त्ता

sgm

इस पोथी में जो जो पद लिखे हुए हैं से पवित्र बाइबल अर्थात् धर्म्मशास्त्र से उदाहरण की रीति से लिये गये हैं। आप को उपदेश दिया जाता है कि पूरा धर्म्मशास्त्र प्राप्त करके पढ़ें क्योंकि उस में परमेश्वर के सत्य बचनों का प्रकाश है। यह पुस्तक नार्थ इंडिया बाइबल सोसाइटी इलाहाबाद के यहां मिलती है।

# जगत का उद्धारकर्त्ता

एक महीने के लिये पवित्र बाइबल में से
प्रतिदिन का पाठ

SCRIPTURE GIFT MISSION
18/1 CUBBON ROAD, BANGALORE

# मनुष्य की सृष्टि और पाप के द्वारा उस का गिरना

आदि में परमेश्वर ने आकाश और पृथ्वी को सिरजा।

परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार सिरजा अपने ही स्वरूप के अनुसार परमेश्वर ने उस को सिरजा। नर और नारी करके उस ने मनुष्यों को सिरजा। और परमेश्वर ने उन को आशिष दी॥

जब यहोवा परमेश्वर ने आदम को लेकर एदेन् की बारी में रख दिया कि वह उस में काम करे और उस की रक्षा करे तब यहोवा परमेश्वर ने आदम को यह आज्ञा दी कि बारी के सब वृक्षों का फल तू बिना खटके खा सकता है। पर भले बुरे के ज्ञान का जो वृक्ष है उस का फल तू न खाना क्योंकि जिस दिन तू उस का फल खाए उसी दिन अवश्य मर जाएगा॥

यहोवा परमेश्वर ने जितने बनैले पशु बनाये थे सब में से सर्प धूर्त्त था और उस ने स्त्री से कहा क्या सच है कि परमेश्वर ने कहा कि तुम इस बारी के किसी वृक्ष का फल न खाना। स्त्री ने सर्प से कहा इस बारी के वृक्षों के फल हम खा सकते हैं। पर जो वृक्ष बारी के बीच में है उस के फल के विषय परमेश्वर

ने कहा कि तुम उस को न खाना न उस को छूना भी नहीं तो मर जाओगे। तब सर्प ने स्त्री से कहा तुम निश्चय नहीं मरोगे। बरन परमेश्वर आप जानता है कि जिस दिन तुम उस का फल खाओ उसी दिन तुम्हारी आंखें खुल जाएंगी और तुम भले बुरे का ज्ञान पाकर परमेश्वर के तुल्य हो जाओगे। सो जब स्त्री को जान पड़ा कि उस वृक्ष का फल खाने में अच्छा और देखने में मनभाऊ और बुद्धि देने के लिये चाहने योग्य भी है तब उस ने उस में से तोड़कर खाया और अपने पति को दिया और उस ने भी खाया ॥

वह बड़ा अजगर अर्थात् वही पुराना सांप जो इबलीस और शैतान कहलाता है सारे संसार का भरमानेवाला है ॥

एक मनुष्य के द्वारा पाप जगत में आया और पाप के द्वारा मृत्यु आई और इस रीति से मृत्यु सब मनुष्यों में फैल गई इस लिये कि सब ने पाप किया ॥

---

**प्रार्थना**—हे परमेश्वर, मैं तो अपने अपराधों को जानता हूं और मेरा पाप निरन्तर मेरी दृष्टि में रहता है ॥

---

उत्पत्ति १ : १, २७, २८. उत्पत्ति २ : १५–१७.
उत्पत्ति ३ : १–६. प्रकाशित १२ : ९. रोमियों ५ : १२.
भजन ५१ : १, ३.

## द्वितीय दिवस

---

# एक उद्धारकर्त्ता के आने की प्रतिज्ञा जो मनुष्य है और ईश्वर भी

---

यशायाह नबी ने नबूवत की कि

देखो कुंवारी गर्भवती होगी और पुत्र जनेगी और उस का नाम इम्मानुएल रक्खा जायगा...(जिस का अर्थ यह है परमेश्वर हमारे साथ) ॥

तब यिशै के ठूठ में से एक डाली फूटेगी और उस की जड़ में से एक शाखा निकलकर फलवन्त होगी। और परमेश्वर का आत्मा बुद्धि और समझ का आत्मा युक्ति और पराक्रम का आत्मा और परमेश्वर के ज्ञान और भय का आत्मा उस पर ठहरा रहेगा ॥

जो लोग अंधियारे में चलते थे उन्हें बड़ा उजियाला देख पड़ा।...क्योंकि हमारे लिये एक बालक उत्पन्न होता हमें एक पुत्र दिया जाता है और वह प्रभुता का भार उठाएगा और उस का नाम अद्भुत और युक्ति करनेहारा और पराक्रमी ईश्वर और अनन्तकाल का पिता और शान्ति का प्रधान रक्खा जाएगा। दाऊद की राजगद्दी पर उस की प्रभुता सदा बढ़ती रहेगी और उस की शान्ति का अन्त न होगा इस लिये वह उस को इस समय से लेकर सर्वदा लों न्याय और धर्म के द्वारा

स्थिर किये और संभाले रहेगा। सेनाओं के परमेश्वर की धुन के द्वारा यह काम हो जाएगा ॥

तुम्हारा परमेश्वर यह कहता है कि मेरी प्रजा को शान्ति दो शान्ति।...देखो प्रभु परमेश्वर आता है।...वह चरवाहे की नाईं अपने झुण्ड को चराएगा वह भेंड़ों के बच्चों को अंकवार में लिये चलेगा और दूध पिलानेहारियों को धीरे धीरे ले चलेगा ॥

निश्चय वह हमारे ही रोगों को उठाता था और हमारे ही दुःखों से लदा हुआ था तौभी हमलोग उस को पिटा हुआ और परमेश्वर का मारा हुआ और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझते थे। पर वह हमारे अपराधों के कारण घायल किया गया और हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया था जिस ताड़ना से हमारे लिये शान्ति उपजे सो उस पर पड़ी और उस के कोड़े खाने से हमलोग चंगे हो सकें।...तौभी परमेश्वर को यह भाया कि उसे कुचले उसी ने उस को रोगी कर दिया जब तू उस का प्राण दोषबलि करे तब वह अपना बंश देखने पाएगा और बहुत दिन जीता रहेगा और उस के हाथ से परमेश्वर की इच्छा पूरी हो जाएगीं ॥

---

**स्तुति**—प्रभु इस्राईल का परमेश्वर धन्य हो कि उस ने अपने लोगों पर दृष्टि कर उन का छुटकारा किया है ॥

---

यशायाह ७:१४. मत्ती १:२३. यशायाह ११:१, २.
यशायाह ९:२, ६, ७. यशायाह ४०:१, १०, ११.
यशायाह ५३:४, ५, १०. लूका १:६८.

# जगत के उद्धारकर्त्ता का जन्म

परमेश्वर की ओर से जिबरईल स्वर्गदूत गलील के नासरत नगर में एक कुंवारी के पास भेजा गया, जिस की मंगनी यूसुफ नाम दाऊद के घराने के एक पुरुष से हुई थी। उस कुंवारी का नाम मरयम था। और उस ने उस के पास भीतर आकर कहा आनन्द तुझ को जिस पर अनुग्रह हुआ है प्रभु तेरे साथ है। वह उस बचन से बहुत घबरा गई और सोचने लगी कि यह कैसा नमस्कार है। स्वर्गदूत ने उस से कहा हे मरयम भय न कर क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह तुझ पर हुआ है। और देख तू गर्भवती होगी और पुत्र जनेगी तू उस का नाम यीशु रखना। वह महान होगा और परमप्रधान का पुत्र कहलाएगा और प्रभु परमेश्वर उस के पिता दाऊद का सिंहासन उस को देगा। और वह याकूब के घराने पर सदा राज्य करेगा और उस के राज्य का अन्त न होगा। मरयम ने स्वर्गदूत से कहा यह क्योंकर होगा मैं तो पुरुष को जानती ही नहीं। स्वर्गदूत ने उस को उत्तर दिया कि पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा और

परमप्रधान की सामर्थ तुझ पर छाया करेगी इस लिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा ।।

मरयम ने कहा देख मैं प्रभु की दासी हूं मुझे तेरे बचन के अनुसार हो । तब स्वर्गदूत उस के पास से चला गया ।।

उन दिनों में औगूस्तुस कैसर की ओर से आज्ञा निकली कि सारे जगत के लोगों के नाम लिखे जाएं । . . .और सब लोग नाम लिखवाने के लिये अपने अपने नगर को गए । सो यूसुफ भी इस लिये कि वह दाऊद के घराने और बंश का था. . . दाऊद के नगर बैतलहम को गया, कि अपनी मंगेतर मरयम के साथ जो गर्भवती थी नाम लिखवाए । उन के वहां रहते हुए उस के जनने के दिन पूरे हुए । और वह अपना पहिलौठा पुत्र जनी और उसे कपड़े में लपेटकर चरनी में रक्खा क्योंकि उन के लिये सराय में जगह न थी ।।

---

**प्रार्थना**—आओ हम झुककर दण्डवत् करें ।।

लूका १ : २६–३५, ३८. लूका २ : १, ३–७. भजन ९५ : ६.

# छोटे और बड़े उद्धारकर्त्ता को प्रणाम करने आते हैं

उस देश में कितने रखवाले थे जो रात को मैदान में रहकर अपने झुण्ड का पहरा देते थे। और प्रभु का एक दूत उन के पास आ खड़ा हुआ और प्रभु का तेज उन के चारों ओर चमका और वे बहुत डर गये। तब स्वर्गदूत ने उन से कहा मत डरो क्योंकि देखो मैं तुम्हें बड़े आनन्द का सुसमाचार सुनाता हूं जो सब लोगों के लिये होगा। कि आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिये एक उद्धारकर्त्ता जन्मा है और यही मसीह प्रभु है। और इस का तुम्हारे लिये यह पता है कि तुम एक बालक को कपड़े में लिपटा और चरनी में पड़ा पाओगे। तब एकाएक उस स्वर्गदूत के साथ स्वर्गदूतों का दल परमेश्वर की स्तुति करते और यह कहते दिखाई दिया, कि आकाश में परमेश्वर की महिमा और पृथ्वी पर उन मनुष्यों में जिन से वह प्रसन्न है शान्ति हो॥

जब स्वर्गदूत उन के पास से स्वर्ग को चले गये तो रखवालों ने आपस में कहा आओ हम बैतलहम जाकर यह बात जो हुई और जिसे प्रभु ने हमें बताया है देखें। और उन्हों ने तुरन्त

जाकर मरयम और यूसुफ को और चरनी में उस बालक को पड़ा देखा ॥

और रखवाले जैसा उन से कहा गया था वैसा ही सब सुनकर और देखकर परमेश्वर की महिमा और स्तुति करते हुए लौट गए ॥

हेरोदेस राजा के दिनों में जब यहूदिया के बैतलहम में यीशु का जन्म हुआ तो देखो पूरब से कितने ज्योतिषी यरूशलेम में आकर पूछने लगे कि, यहूदियों का राजा जिस का जन्म हुआ कहां है क्योंकि हम ने पूरब में उस का तारा देखा और उस को प्रणाम करने आये हैं ॥

और देखो जो तारा उन्हों ने पूरब में देखा था वह उन के आगे आगे चला और जहां बालक था उस जगह के ऊपर पहुंचकर ठहर गया ॥

और घर में जाकर उस बालक को उस की माता मरयम के साथ देखा और मुंह के बल गिरकर उसे प्रणाम किया और अपना अपना थैला खोलकर उस को सोना और लोबान और गन्धरस की भेंट चढ़ाई ॥

---

ध्यान—मैं प्रभु को क्या दूं ?

---

लूका २:८–१६, २०. मत्ती २:१, २, ९, ११.
भजन ११६:१२.

# प्रभु यीशु बप्तिस्मा पाता है

परमेश्वर का बचन जंगल में जकरयाह के पुत्र यूहन्ना के पास पहुंचा। और वह यरदन के आस पास के सारे देश में आकर पापों की क्षमा के लिये मन फिराव के बप्तिस्मा का प्रचार करने लगा। जैसे यशायाह नबी के कहे हुये वचनों की पुस्तक में लिखा है कि जंगल में एक पुकारनेवाले का शब्द हो रहा है कि प्रभु का मार्ग तैयार करो उस की सड़कें सीधी करो ॥

और लोगों ने उस से पूछा तो हम क्या करें। उस ने उन्हें उत्तर दिया कि जिस के पास दो कुरते हों वह उस के साथ जिस के पास नहीं बांट दे और जिस के पास भोजन हो वह भी ऐसा ही करे। और महसूल लेनेवाले भी बप्तिस्मा लेने आये और उस से पूछा कि हे गुरु हम क्या करें। उस ने उन से कहा जो तुम्हारे लिये ठहराया गया है उस से अधिक न लेना। और सिपाहियों ने भी उस से यह पूछा हम क्या करें। उस ने उन से कहा किसी पर उपद्रव न करना और न झूठा दोष लगाना और अपनी मजूरी पर सन्तोष करना ॥

जब लोग आस लगाए हुये थे और सब अपने अपने मन में यूहन्ना के विषय में विचार कर रहे थे कि क्या यही मसीह न

होगा। तो यूहन्ना ने उन सब से उत्तर दे कहा कि मैं तो तुम्हें पानी से बप्तिस्मा देता हूं पर वह आता है जो मुझ से शक्तिमान है मैं इस योग्य नहीं कि उस के जूतों का बंध खोलूं वह तुम्हें पवित्र आत्मा से बप्तिस्मा देगा ।।

जब सब लोगों ने बप्तिस्मा लिया और यीशु भी बप्तिस्मा लेकर प्रार्थना कर रहा था तो आकाश खुल गया। और पवित्र आत्मा देही रूप में कबूतर की नाईं उस पर उतरा और यह आकाशबाणी हुई कि तू मेरा प्रिय पुत्र है मैं तुझ से प्रसन्न हूं ।।

जब यीशु आप उपदेश करने लगा तो बरस तीस एक का था ।।

## शैतान उस की परीक्षा करता है

---

तब आत्मा ने तुरन्त उस को जंगल की ओर भेजा। और जंगल में चालीस दिन तक शैतान ने उस की परीक्षा की और वह बन पशुओं के साथ रहा और स्वर्गदूत उस की सेवा करते रहे ।।

---

**ध्यान**—परमेश्वर का पुत्र यीशु सब बातों में हमारी नाईं परखा तो गया तौभी निष्पाप निकला ।।

---

लूका ३ : २–४, १०–१६, २१–२३. मरकुस १ : १२, १३.
इब्रानियों ४ : १४, १५.

षष्ठ दिवस

---

# प्रभु यीशु का प्रथम महिमायुक्त कार्य

---

गलील के काना में किसी का ब्याह था और यीशु की माता वहां थी। और यीशु और उस के चेले भी उस ब्याह में नेवते गए थे। जब दाखरस घट गया तो यीशु की माता ने उस से कहा उन के पास दाखरस नहीं रहा। यीशु ने उस से कहा हे नारी तेरा मुझ से क्या काम। अभी मेरा समय नहीं आया। उस की माता ने सेवकों से कहा जो कुछ वह तुम से कहे वह करना। वहां यहूदियों की शुद्ध करने की रीति के अनुसार पत्थर के छः मटके धरे थे जिन में दो दो तीन तीन मन समाता था। यीशु ने उन से कहा मटकों में पानी भर दो सो उन्हों ने उन्हें मुंहामुंह भर दिया। तब उस ने उन से कहा अब निकालकर भोज के प्रधान के पास ले जाओ। वे ले गये। जब भोज के प्रधान ने वह पानी चखा जो दाखरस बन गया था और न जानता था कि वह कहां से आया है (पर जिन सेवकों ने पानी निकाला था वे जानते थे) तो भोज के प्रधान ने दूल्हे को बुलाकर, उस से कहा हर एक मनुष्य पहिले अच्छा दाखरस

देता और जब लोग पीकर छक जाते हैं तब मध्यम देता है तू ने अच्छा दाखरस अब तक रख छोड़ा है। यीशु ने गलील के काना में अपना यह पहिला चिन्ह दिखाकर अपनी महिमा प्रगट की और उस के चेलों ने उस पर विश्वास किया ।।

और उन दिनों में वह पहाड़ पर प्रार्थना करने को निकला और परमेश्वर से प्रार्थना करने में सारी रात बिताई। जब दिन हुआ तो उस ने अपने चेलों को बुलाकर उन में से बारह चुन लिए, उन को प्रेरित कहा। और वे ये हैं शमौन जिस का नाम उस ने पतरस भी रक्खा और उस का भाई अन्द्रियास और याकूब और यूहन्ना और फिलिप्पुस और बरतुलमै, और मत्ती और तोमा और हलफई का पुत्र याकूब और शमौन जो जेलोतेस कहलाता है, और याकूब का बेटा यहूदाह और यहूदाह इस्करियोती जो उस का पकड़वानेवाला बना ।।

यूहन्ना चेले ने लिखा बचन देहधारी हुआ और अनुग्रह और सच्चाई से भरपूर होकर हमारे बीच में डेरा किया और हम ने उस की ऐसी महिमा देखी जैसी पिता के एकलौते की महिमा ।।

---

**प्रार्थना**—मुझे अपना तेज दिखा दे ।।

---

यूहन्ना २ : १–११. लूका ६ : १२–१६. यूहन्ना १ : १४.
निर्गमन ३३ : १८.

# प्रभु यीशु पर विश्वास करने से नया जन्म मिलता है

फरीसियों में से नीकुदेमुस नाम एक मनुष्य था जो यहूदियों का सरदार था। उस ने रात को यीशु के पास आकर उस से कहा हे रब्बी हम जानते हैं कि तू परमेश्वर की ओर से गुरु होकर आया है क्योंकि कोई इन चिन्हों को जो तू दिखाता है यदि परमेश्वर उस के साथ न हो तो नहीं दिखा सकता। यीशु ने उस को उत्तर दिया कि मैं तुझ से सच सच कहता हूं यदि कोई नए सिरे से न जन्मे तो परमेश्वर का राज्य नहीं देख सकता॥

नीकुदेमुस ने उस से कहा मनुष्य बूढ़ा होकर क्योंकर जन्म ले सकता है क्या वह अपनी माता के गर्भ में दूसरी बार जाकर जन्म ले सकता है॥

यीशु ने उत्तर दिया कि मैं तुझ से सच सच कहता हूं यदि कोई पानी और आत्मा से न जन्मे तो परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता। जो शरीर से जन्मा है वह शरीर है और जो आत्मा से जन्मा है वह आत्मा है। अचम्भा न कर कि मैं ने तुझ से कहा कि तुम्हें नए सिरे से जन्म लेना अवश्य है। हवा जिधर चाहती उधर चलती है और तू उस का शब्द सुनता है पर नहीं जानता वह कहां से आती और किधर जाती है। जो कोई आत्मा से जन्मा है वह ऐसा ही है॥

नीकुदेमुस ने उस को उत्तर दिया कि ये बातें क्योंकर हो सकती हैं ॥

यह सुन यीशु ने उस से कहा क्या तू इस्राईलियों का गुरु होकर भी ये बातें नहीं समझता। मैं तुझ से सच सच कहता हूं हम जो जानते हैं वह कहते हैं और जो देखा है उस की गवाही देते हैं और तुम हमारी गवाही नहीं मानते। जब मैं ने तुम से पृथ्वी की बातें कहीं और तुम प्रतीति नहीं करते तो यदि मैं तुम से स्वर्ग की बातें कहूं तो क्योंकर प्रतीति करोगे ॥

जिस रीति से मूसा ने जंगल में साप को ऊंचे पर चढ़ाया उसी रीति से अवश्य है कि मनुष्य का पुत्र (यीशु मसीह) भी ऊंचे पर चढ़ाया जाए, कि जो कोई विश्वास करे उस में अनन्त जीवन पाए। क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रक्खा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया कि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नाश न हो पर अनन्त जीवन पाए। परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इस लिये नहीं भेजा कि जगत को दोषी ठहराए पर इस लिये कि जगत उस के द्वारा उद्धार पाए ॥

---

**प्रार्थना**—हे प्रभु मैं विश्वास कर चुकी हूं कि परमेश्वर का पुत्र मसीह जो जगत में आनेवाला था वह तू ही है ॥

हे परमेश्वर मेरे लिये शुद्ध मन सिरज ॥

---

यूहन्ना ३ : १–१२, १४–१७. यूहन्ना ११ : २७.
भजन ५१ : १०.

---

# धन्य होने का मार्ग

---

यीशु इस भीड़ को देखकर पहाड़ पर चढ़ गया और जब बैठा तो उस के चेले उस के पास आए। और वह अपना मुंह खोलकर उन्हें यह उपदेश देने लगा ॥

धन्य हैं वे जो मन के दीन हैं क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है ॥

धन्य हैं वे जो शोक करते हैं क्योंकि वे शान्ति पाएंगे ॥

धन्य हैं वे जो नम्र हैं क्योंकि वे पृथ्वी के अधिकारी होंगे ॥

धन्य हैं वे जो धर्म के भूखे और प्यासे हैं क्योंकि वे तृप्त किए जाएंगे ॥

धन्य हैं वे जो दयावन्त हैं क्योंकि उन पर दया की जाएगी ॥

धन्य हैं वे जिन के मन शुद्ध है क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे ॥

धन्य हैं वे जो मेल करवैये हैं क्योंकि वे परमेश्वर के पुत्र कहलाएंगे ॥

धन्य हैं वे जो धर्म के कारण सताए जाते हैं क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है ।।

धन्य हो तुम जब मनुष्य मेरे लिये तुम्हारी निन्दा करें और सताएं और झूठ बोलते हुए तुम्हारे विरोध में सब प्रकार की बुरी बातें कहें । आनन्द और मगन हो क्योंकि तुम्हारे लिये स्वर्ग में बड़ा फल है इस लिये कि उन्हों ने उन नबियों को जो तुम से पहिले हुए थे इसी रीति से सताया था ।।

तुम जगत का उजाला हो । जो नगर पहाड़ पर बसा है वह छिप नहीं सकता । फिर लोग दिया बार के पैमाने के नीचे नहीं पर दीवट पर रखते हैं और वह घर के सब लोगों को उजाला देता है । वैसा ही तुम्हारा उजाला मनुष्यों के सामने चमके कि वे तुम्हारे भले कामों को देखकर तुम्हारे स्वर्गीय पिता की बड़ाई करें ।।

तुम सुन चुके हो कि कहा गया था कि अपने पड़ोसी से प्रेम रखना और अपने बैरी से बैर । पर मैं तुम से कहता हूं कि अपने बैरियों से प्रेम रखना और अपने सतानेवालों के लिये प्रार्थना करना । इस से तुम अपने स्वर्गीय पिता के सन्तान ठहरोगे ।।

---

**प्रार्थना**—हे प्रभु तू धन्य है मुझे अपनी विधियां सिखा ।।

---

मत्ती ५ : १–१२, १४–१६, ४३–४५. भजन ११९ : १२.

# कंगाली से छुटकारा

प्रभु यीशु ने कहा दिया करो तो तुम्हें भी दिया जाएगा ॥

चौकस रहो कि तुम मनुष्यों के सामने दिखाने के लिये अपने धर्म के काम न करो नहीं तो अपने स्वर्गीय पिता से कुछ फल न पाओगे ॥

प्रार्थना करने में अन्यजातियों की नाईं बकवक न करो क्योंकि वे समझते हैं कि हमारे बहुत बोलने से हमारी सुनी जाएगी। सो तुम उन की नाईं न बनो क्योंकि तुम्हारा पिता तुम्हारे मांगने से पहिले जानता है तुम्हें क्या क्या चाहिये। तुम इस रीति से प्रार्थना करना हे हमारे पिता तू जो स्वर्ग में है तेरा नाम पवित्र माना जाए। तेरा राज्य आए तेरी इच्छा जैसी स्वर्ग में पूरी होती है वैसे पृथ्वी पर भी हो। हमारी दिन भर की रोटी आज हमें दे। और जैसे हम ने अपने अपराधियों को क्षमा किया है वैसे ही हमारे अपराधों को क्षमा कर। और हमें परीक्षा में न ला बल्कि बुराई से बचा ॥

अपने लिये पृथ्वी पर धन बटोरकर न रखो जहां कीड़ा और काई बिगाड़ते हैं और जहां चोर सेंध देते और चुराते हैं। पर अपने लिये स्वर्ग में धन बटोरकर रखो जहां न कीड़ा न काई बिगाड़ते हैं और जहां चोर न सेंध देते न चुराते हैं। क्योंकि जहां तेरा धन है वहां तेरा मन भी लगा रहेगा ॥

कोई दो स्वामियों की सेवा नहीं कर सकता क्योंकि वह एक से बैर और दूसरे से प्रेम रखेगा या एक से मिला रहेगा और दूसरे को हलका जानेगा। तुम परमेश्वर और धन दोनों की सेवा नहीं कर सकते ॥

सो तुम यह चिन्ता न करना कि क्या खाएंगे क्या पीएंगे या क्या पहिनेंगे। अन्यजाति लोग तो इन सब वस्तुओं की खोज में रहते हैं और तुम्हारा स्वर्गीय पिता जानता है कि तुम्हें ये सब वस्तु चाहिये। पहिले उस के राज्य और धर्म की खोज करो और ये सब वस्तु भी तुम्हें दी जाएंगी ॥

---

**स्तुति**—परमेश्वर मेरा चरवाहा है मुझे कुछ घटी न होगी ॥

---

लूका ६ : ३८. मत्ती ६ : १, ७–१३, १९–२१, २४, ३१–३३. भजन २३ : १.

## दशम दिवस

# भय से छुटकारा

प्रभु यीशु ने कहा जो शरीर को घात करते हैं पर आत्मा को घात नहीं कर सकते उन से न डरना पर उसी से डरो जो आत्मा और शरीर दोनों को नरक में नाश कर सकता है। क्या पैसे में दो गौरैये नहीं बिकतीं तौभी तुम्हारे पिता की इच्छा बिना उन में से एक भी भूमि पर नहीं गिर सकती। तुम्हारे सिर के बाल भी सब गिने हुए हैं। इस लिये डरो नहीं तुम बहुत गौरैयों से बढ़कर हो ॥

हे छोटे झुण्ड मत डर क्योंकि तुम्हारे पिता को यह भाया है कि तुम्हें राज्य दे ॥

यदि तुम मेरे बचन में बने रहोगे तो सचमुच मेरे चेले ठहरोगे। और सत्य को जानोगे और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा ॥

मैं तुम से सच सच कहता हूं कि जो कोई पाप करता है वह पाप का दास है ॥

यदि पुत्र तुम्हे स्वतंत्र करेगा तो सचमुच तुम स्वतंत्र हो जाओगे ॥

जी उठने के पीछे प्रभु यीशु ने कहा कि मत डर मैं पहिला और पिछला और जीवता हूं। और मैं मर गया था और देख मैं युगानुयुग जीवता हूं और मृत्यु और अधोलोक की कुंजियां मेरे पास हैं ।।

परमेश्वर प्रेम है और जो प्रेम में बना रहता है वह परमेश्वर में बना रहता है और परमेश्वर उस में बना रहता है। प्रेम में भय नहीं होता परन्तु पूरा प्रेम भय को दूर कर देता है क्योंकि भय से कष्ट होता है और जो भय करता है वह प्रेम में सिद्ध नहीं हुआ ।।

---

**स्तुति**—चाहे मैं घोर अन्धकार से भरी हुई तराई में होकर चलूं तौभी हानि से न डरूंगा क्योंकि तू (हे प्रभु) मेरे साथ रहता है ।।

प्रभु मेरा सहायक है मैं न डरूंगा मनुष्य मेरा क्या करेगा ।।

---

मत्ती १० : २८–३१. लूका १२ : ३२.
यूहन्ना ८ : ३१, ३२, ३४, ३६. प्रकाशित १ : १७, १८.
१ यूहन्ना ४ : १६, १८. भजन २३ : ४. इब्रानियों १३ : ६.

# मनुष्य कैसे अशुद्ध हो जाता है ?

यीशु ने लोगों को अपने पास बुलाकर उन से कहा तुम सब मेरी सुनो और समझो। ऐसी तो कोई वस्तु नहीं जो मनुष्य में बाहर से समाकर अशुद्ध करें पर जो वस्तुएं मनुष्य के भीतर से निकलती हैं वे ही उसे अशुद्ध करती हैं। जब वह भीड़ के पास से घर में गया तो उस के चेलों ने इस दृष्टान्त के विषय में उस से पूछा। उस ने उन से कहा क्या तुम भी ऐंसे ना समझ हो क्या तुम नहीं समझते कि जो वस्तु बाहर से मनुष्य में समाती है वह उसे अशुद्ध नहीं कर सकती। क्योंकि वह उस के मन में नहीं पर पेट में जाती है और संडास में निकल जाती है। यह कहकर उस ने सब भोजन वस्तुओं को शुद्ध ठहराया। फिर उस ने कहा जो मनुष्य में से निकलता है वही मनुष्य को अशुद्ध करता है। क्योंकि भीतर से अर्थात् मनुष्य के मन से बुरी बुरी चिन्ता व्यभिचार चोरी खून परस्त्रीगमन, लोभ दुष्टता छल लुचपन कुदृष्टि निन्दा अभिमान और मूर्खता निकलती हैं। ये सब बुरी बातें भीतर से निकलतीं और मनुष्य को अशुद्ध करती हैं॥

# कहना और करना

---

प्रभु यीशु ने कहा न हर एक जो मुझ से हे प्रभु हे प्रभु कहता है स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करेगा पर वही जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलता है। उस दिन वहुतेरे मुझ से कहेंगे, हे प्रभु हे प्रभु क्या हम ने तेरे नाम से नबूवत न की और तेरे नाम से दुष्टात्मा नहीं निकाले और तेरे नाम से बहुत सामर्थ के काम नहीं किए। तब मैं उन से खुलकर कहूंगा मैं ने तुम को कभी नहीं जाना हे कुकर्म करनेवालो मुझ से दूर हो। इस लिये जो कोई मेरी ये बातें सुनकर उन्हें माने वह उस बुद्धिमान मनुष्य की नाईं ठहरेगा जिस ने अपना घर चटान पर बनाया। और मेंह बरसा और बाढ़ें आईं और आंधियां चलीं और उस घर पर लगीं पर वह नहीं गिरा क्योंकि उस की नेव चटान पर डाली गई थी। पर जो कोई मेरी ये बातें सुनकर उन्हें न माने वह उस निर्बुद्धि मनुष्य की नाईं ठहरेगा जिस ने अपना घर बालू पर बनाया। और मेंह बरसा और बाढ़ें आईं और आंधियां चलीं और उस घर पर लगीं और वह गिरकर सत्यानाश हो गया ॥

---

**प्रार्थना**—हे परमेश्वर, मेरे मुंह के बचन और मेरे हृदय का ध्यान तुझे भाए ॥

---

मरकुस ७ : १४–२३. मत्ती ७ : २१–२७. भजन १९ : १४.

## बारहवां दिवस

---

# भूखों को रोटी खिलाना

---

इन बातों के पीछे यीशु गलील की अर्थात् तिबिरियास की झील के पार गया। और एक बड़ी भीड़ उस के पीछे हो ली इस कारण कि जो अचरज कर्म वह बीमारों पर करता था वे उन को देखते थे। तब यीशु पहाड़ पर चढ़कर अपने चेलों के साथ वहां बैठा। और यहूदियों के फसह का पर्व निकट था। तब यीशु ने अपनी आंखें उठाकर एक बड़ी भीड़ को अपने पास आते देखा और फिलिप्पुस से कहा हम इन के भोजन के लिये कहां से रोटी मोल लाएं। पर उस ने यह बात उसे परखने को कही क्योंकि वह आप जानता था कि मैं क्या करूंगा। फिलिप्पुस ने उस को उत्तर दिया कि दो सौ दीनार की रोटी उन के लिये इतनी भी न होंगी कि उन में से हर एक को थोड़ी थोड़ी मिल जाए। उस के चेलों में से शमौन पतरस के भाई अन्द्रियास ने उस से कहा, यहां एक लड़का है जिस के पास ज़व की पांच रोटी और दो मछली हैं पर इतने लोगों के लिये वे क्या हैं। यीशु ने कहा कि लोगों को बैठा दो। उस जगह बहुत घास थी सो पुरुष जो गिनती में लगभग पांच हजार के थे बैठ गए। सो यीशु ने रोटियां

लीं और धन्यवाद करके बैठनेवालों को बांट दीं और वैसे ही मछलियों में से जितनी वे चाहते थे। जब वे तृप्त हुए तो उस ने अपने चेलों से कहा बचे हुए टुकड़े बटोर लो कि कुछ फेंका न जाए। सो उन्हों ने बटोरा और जव की पांच रोटियों के टुकड़े जो खानेवालों से बच रहे उन की बारह टोकरी भरीं ॥

जब यीशु ने जाना कि वे मुझे राजा बनाने के लिये आकर पकड़ना चाहते हैं तो वह फिर पहाड़ पर अकेला चला गया ॥

प्रभु यीशु ने कहा परमेश्वर की रोटी वही है जो स्वर्ग से उतरकर जगत को जीवन देती है।...जीवन की रोटी मैं हूं। जो मेरे पास आएगा सो कभी भूखा न होगा और जो मुझ पर विश्वास करेगा वह कभी प्यासा न होगा।...जीवती रोटी जो स्वर्ग से उतरी मैं हूं। यदि कोई इस रोटी में से खाए तो सदा लों जीता रहेगा और जो रोटी मैं जगत के जीवन के लिये दूंगा वह मेरा मांस है ॥

---

**प्रार्थना**—हे प्रभु यह रोटी हमें सदा दिया कर ॥

---

यूहन्ना ६ : १–१३, १५, ३३, ३५, ५१, ३४.

# परमेश्वर का महाप्रतापी पुत्र पापी मनुष्य के लिये अपना प्राण देने को तैयार हो जाता है

यीशु पतरस और यूहन्ना और याकूब को साथ लेकर प्रार्थना करने को पहाड़ पर गया। जब वह प्रार्थना कर रहा था तो उस के मुंह का रूप और ही हो गया और उस का वस्त्र उजला होकर चमकने लगा। और देखो मूसा और एलिय्याह ये दो पुरुष उस के साथ बातें कर रहे थे। ये महिमा सहित दिखाई दिए और उस के मरने की चर्चा कर रहे थे जो यरूशलेम में होनेवाला था। पतरस और उस के साथी नींद से भरे थे और जब अच्छी तरह सचेत हुए तो उस की महिमा और उन दो पुरुषों को जो उस के साथ खड़े थे देखा। जब वे उस के पास से जाने लगे तो पतरस ने यीशु से कहा हे स्वामी हमारा यहां रहना अच्छा है सो हम तीन मण्डप बनाएं एक तेरे लिये एक मूसा के लिये और एक एलिय्याह के लिये। वह जानता न था कि क्या कह रहा है। वह यह कह ही रहा था कि एक बादल ने आकर उन्हें छा लिया और जब वे उस बादल से

घिरने लगे तो डर गये। और उस बादल में से यह शब्द निकला कि यह मेरा पुत्र मेरा चुना हुआ है इस की सुनो। यह शब्द होते ही यीशु अकेला पाया गया। और वे चुप रहे और जो कुछ देखा था उस की कोई बात उन दिनों में किसी से न कही॥

जब वे गलील में थे तो यीशु ने उन से कहा मनुष्य का पुत्र (यीशु मसीह) मनुष्यों के हाथ में पकड़वाया जाएगा। और वे उसे मार डालेंगे और वह तीसरे दिन जी उठेगा। इस पर वे बहुत उदास हुए॥

---

**ध्यान**—जैसा मसीह यीशु का वैसा ही तुम्हारा भी मन हो। जिस ने परमेश्वर के स्वरूप में होकर परमेश्वर के बराबर होना लूट न समझा। बरन अपने आप को ऐसा खाली कर दिया कि दास का स्वरूप धारण किया और मनुष्य की समानता में हो गया। और मनुष्य के से डौल पर दिखाई देकर अपने आप को दीन किया और यहां तक आज्ञाकारी रहा कि मृत्यु बरन क्रूस की मृत्यु भी सह ली॥

---

लूका ९ : २८—३६. मत्ती १७ : २१—२३.
फिलिप्पियों २ : ५—८.

## चौदहवां दिवस

# मेरा पड़ोसी कौन है?

देखो एक व्यवस्थापक उठा और यह कहकर यीशु की परीक्षा करने लगा कि हे गुरु अनन्त जीवन का वारिस होने के लिये मैं क्या करूं। उस ने उस से कहा कि व्यवस्था में क्या लिखा है तू कैसे पढ़ता है। उस ने उत्तर दिया कि तू प्रभु अपने परमेश्वर से अपने सारे मन और अपने सारे जी और अपनी सारी शक्ति और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम रख। उस ने उस से कहा तू ने ठीक उत्तर दिया यही कर तो तू जीएगा। पर उस ने अपने तईं धर्मी ठहराने की इच्छा से यीशु से पूछा तो मेरा पड़ोसी कौन है।

यीशु ने उत्तर दिया कि एक मनुष्य यरूशलेम से यरीहो को जा रहा था कि डाकुओं ने घेरकर उस के कपड़े उतार लिए और मारपीट कर उसे अधमूआ छोड़ चले गए। और ऐसा हुआ कि उसी मार्ग से एक याजक जा रहा था पर उसे देख के कतराकर चला गया। इसी रीति सें एक लेवी उस जगह आया वह भी उसे देख के कतराकर चला गया। पर एक

सामरी बटोही वहां आ निकला और उसे देखकर तरस खाया। और उस के पास आकर और उस के घावों पर तेल और दाख-रस ढालकर पट्टियां बांधीं और अपनी सवारी पर चढ़ाकर सराय में ले गया और उस की सेवा टहल की। दूसरे दिन उस ने दो दीनार निकालकर भटियारे को दिए और कहा इस की सेवा टहल करना और जो कुछ तेरा और लगेगा वह मैं लौटने पर तुझे भर दूंगा। अब तेरी समझ में जो डाकुओं में घिर गया था इन तीनों में से उस का पड़ोसी कौन ठहरा। उस ने कहा वही जिस ने उस पर तरस खाया। यीशु ने उस से कहा जा तू भी ऐसा ही कर॥

प्रभु यीशु ने कहा जो कुछ तुम चाहते हो कि लोग तुम्हारे साथ करें तुम भी उन के साथ वैसा ही करो क्योंकि व्यवस्था और नबियों की शिक्षा यही है॥

---

**ध्यान**—हे मनुष्य वह तुझे बता चुका है कि अच्छा क्या है और परमेश्वर तुझ से इस को छोड़ क्या चाहता है कि तू न्याय से काम करे और कृपा से प्रीति रक्खे और अपने परमेश्वर के संग संग सिर झुकाये हुए चले॥

---

लूका १०:२५–३७. मत्ती ७:१२. मीका. ६:८.

## पन्द्रहवां दिवस

# परमेश्वर किस रीति से हर एक मन फिरानेवाले पापी को ग्रहण करता है

सब महसूल लेनेवाले और पापी यीशु के पास आते थे कि उस की सुनें। और फरीसी और शास्त्री कुड़कुड़ाकर कहने लगे कि यह तो पापियों से मिलता और उन के साथ खाता है ॥

फिर उस ने कहा किसी मनुष्य के दो पुत्र थे। उन में से छुटके ने पिता से कहा हे पिता संपत्ति में से जो भाग मेरा हो वह मुझे दे। उस ने उन को अपनी संपत्ति बांट दी। और बहुत दिन न बीते कि छुटका पुत्र सब कुछ इकट्ठा करके दूर देश को चला गया और वहां लुचपन में अपनी संपत्ति उड़ा दी। जब वह सब कुछ उठा चुका तो उस देश में बड़ा अकाल पड़ा और वह कंगाल हो गया। और वह उस देश के निवासियों में से एक के यहां जा पड़ा उस ने उसे अपने खेतों में सूअर चराने को भेजा। और वह चाहता था कि उन फलियों से जिन्हें सूअर खाते थे अपना पेट भरे और उसे कोई कुछ न देता था ॥

जब वह अपने आपे में आया तब वह कहने लगा मेरे पिता के कितने मजदूरों को भोजन से अधिक रोटी मिलती है और मैं यहां भूखों मरता हूं। मैं उठकर अपने पिता के पास जाऊंगा और उस से कहूंगा हे पिता मैं ने स्वर्ग के विरोध में और तेरे देखते पाप किया है। अब इस लायक नहीं रहा कि तेरा पुत्र कहलाऊं मुझे अपने एक मजदूर की नाईं लगा ले। तब वह उठकर अपने पिता के पास चला पर वह अभी दूर ही था कि उस के पिता ने उसे देखकर तरस खाया और दौड़कर उसे गले लगाया और बहुत चूमा। पुत्र ने उस से कहा हे पिता मैं ने स्वर्ग के विरोध में और तेरे देखते पाप किया है और अब इस योग्य नहीं रहा कि तेरा पुत्र कहलाऊं। पर पिता ने अपने दासों से कहा झट अच्छे से अच्छा पहिनावा निकालकर उसे पहिनाओ और उस के हाथ में अंगूठी और पांवों में जूती पहिनाओ। और पला हुआ बछड़ा लाकर मारो और हम खाएं और आनन्द करें। क्योंकि मेरा यह पुत्र मरा था फिर जी गया है खो गया था अब मिला है तब वे आनन्द करने लगे॥

---

ध्यान—परमेश्वर की ओर फिरकर उस से कहो कि सारा अधर्म दूर कर॥

---

लूका १५: १, २, ११—२४. होशे १४: २.

# अभिमान और नम्रता

यीशु ने देखा कि नेवतहरी लोग क्योंकर मुख्य मुख्य जगहें चुन लेते हैं तो एक दृष्टान्त देकर उन से कहा, जब कोई तुझे ब्याह में बुलाए तो मुख्य जगह में न बैठ ऐसा न हो कि उस ने तुझ से भी किसी बड़े को नेवता दिया हो। और जिस ने तुझे और उसे दोनों को नेवता दिया है आकर तुझ से कहे कि इस को जगह दे और तब तुझे लज्जा खाकर सब से नीची जगह में बैठना पड़े। पर जब तू बुलाया जाए तो सब से नीची जगह जा बैठ कि जब वह जिस ने तुझे नेवता दिया है आए तो तुझ से कहे हे मित्र आगे बढ़कर बैठ, तब तेरे साथ बैठनेवालों के सामने तेरी बड़ाई होगी। क्योंकि जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा वह छोटा किया जाएगा और जो अपने आप को छोटा बनाएगा वह बड़ा किया जाएगा ।।

और उस ने कितनों से जो अपने पर भरोसा रखते थे कि हम धर्मी हैं और औरों को तुच्छ जानते थे यह दृष्टान्त कहा, कि दो मनुष्य मन्दिर में प्रार्थना करने गए एक फरीसी और दूसरा महसूल लेनेवाला। फरीसी खड़ा होकर अपने मन में यों प्रार्थना करने लगा कि हे परमेश्वर मैं तेरा धन्यवाद करता

हूं कि मैं और मनुष्यों की नाई अंधेर करनेवाला अन्यायी और व्यभिचारी नहीं और न इस महसूल लेनेवाले के समान हूं। मैं अठवारे में दो बार उपवास करता हूं मैं अपनी सारी कमाई का दसवां अंश देता हूं। पर महसूल लेनेवाले ने दूर खड़े होकर स्वर्ग की ओर आंखें उठाना भी न चाहा बरन अपनी छाती पीट पीटकर कहा हे परमेश्वर मुझ पापी पर दया कर। मैं तुम से कहता हूं कि वह दूसरा नहीं पर यही मनुष्य धर्मी ठहराया जाकर अपने घर गया क्योंकि जो कोई अपने आप को बड़ा बनाएगा वह छोटा किया जाएगा और जो अपने आप को छोटा बनाएगा वह बड़ा किया जाएगा ॥

और चेले यीशु के पास आकर पूछने लगे स्वर्ग के राज्य में बड़ा कौन है। इस पर उस ने एक बालक को पास बुलाकर उन के बीच में खड़ा किया। और कहा मैं तुम से सच कहता हूं यदि तुम न फिरो और बालकों के समान न बनो तो स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने न पाओगे। जो कोई अपने आप को इस बालक के समान छोटा करेगा वह स्वर्ग के राज्य में बड़ा होगा ॥

---

**ध्यान**—तुम सब के सब एक दुसरे की सेवा के लिये दीनता से कमर बांधे रहो क्योंकि परमेश्वर अभिमानियों का सामना करता है परन्तु दीनों पर अनुग्रह करता है ॥

---

लूका १४ : ७–११. लूका १८ : ९–१४. मत्ती १८ : १–४.
१ पतरस ५ : ५.

## सत्रहवां दिवस

---

# प्रभु यीशु मरे हुए लाजर को जिलाता है

---

मरयम और उस की बहिन मरथा के गांव बैतनिय्याह का लाजर नाम एक मनुष्य बीमार था।...सो उस की बहिनों ने यीशु को कहला भेजा कि हे प्रभु देख जिस से तू प्रीति रखता है वह बीमार है।...सो जब उस ने सुना कि वह बीमार है तो जिस जगह था वहां दो दिन और रहा। तब इस के पीछे उस ने चेलों से कहा कि आओ हम फिर यहूदिया को चलें॥

सो यीशु ने आकर जाना कि उसे कबर में रक्खे चार दिन हो चुके हैं।...तब मरथा ने यीशु से कहा हे प्रभु यदि तू यहां होता तो मेरा भाई न मरता। यीशु ने उस से कहा तेरा भाई जी उठेगा। मरथा ने उस से कहा मैं जानती हूं कि अन्तिम दिन में पुनरुत्थान के समय वह भी जी उठेगा। यीशु ने उस से कहा पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूं जो मुझ पर विश्वास करे वह यदि मर भी जाय तौभी जीएगा। और जो कोई जीवता और मुझ पर विश्वास करता है वह कभी न मरेगा। क्या तू इस बात पर विश्वास करती है। उस ने

उस से कहा हां हे प्रभु मैं विश्वास कर चुकी हूं कि परमेश्वर का पुत्र मसीह जो जगत में आनेवाला था वह तू ही है ॥

और यीशु ने कहा, तुम ने उसे कहां रक्खा है। उन्हों ने उस से कहा हे प्रभु चलकर देख ले। यीशु के आंसू बहने लगे ॥

यीशु मन में बहुत ही उदास होकर कबर पर आया वह गुफा थी और एक पत्थर उस पर धरा था। यीशु ने कहा पत्थर को उठाओ ॥

तब उन्हों ने उस पत्थर को हटाया और यीशु ने आंखें उठाकर कहा हे पिता मैं तेरा धन्यवाद करता हूं कि तू ने मेरी सुन ली है। और मैं जानता था कि तू सदा मेरी सुनता है पर जो भीड़ आस पास खड़ी है उन के कारण मैं ने यह कहा इस लिये कि वे विश्वास करें कि तू ने मुझे भेजा ॥

यह कहकर उस ने बड़े शब्द से पुकारा कि हे लाजर निकल आ। जो मर गया था वह कफन से हाथ पांव बांधे हुए निकल आया और उस का मुंह अंगोछे से लिपटा हुआ था। यीशु ने उन से कहा उसे खोलो और जाने दो ॥

---

**ध्यान**—जब हम अपराधों के कारण मरे हुए थे तो परमेश्वर ने हमें मसीह के साथ जिलाया ॥

---

यूहन्ना ११ : १, ३, ६, ७, १७, २१, २३—२७, ३३—३५, ३८, ३९, ४१—४४. इफिसियों २ : ४, ५.

## अठारहवां दिवस

# बुरे लोगों का बैर

तब जो यहूदी मरयम के यहां आए थे और उस का यह काम देखा था उन में से बहुतों ने उस पर विश्वास किया। पर उन में से कितनों ने फरीसियों के पास जाकर यीशु के कामों का समाचार दिया ॥

इस पर महायाजकों और फरीसियों ने सभा इकट्ठी करके कहा हम करते क्या हैं यह-मनुष्य तो बहुत चिन्ह दिखाता है। यदि हम उसे योंही छोड़ दें तो सब उस पर विश्वास कर लेंगे और रोमी आकर हमारी जगह और जाति को भी छीन लेंगे। तब उन में से काइफा नाम एक जन ने जो उस बरस का महा-याजक था उन से कहा तुम कुछ नहीं जानते, और न यह सोचते हो कि तुम्हारे लिये भला है कि हमारे लोगों के लिये एक मनुष्य मरे और न यह कि सारी जाति नाश हो। यह बात उस ने अपनी ओर से न कही पर उस बरस का महायाजक होकर नबूवत की कि यीशु उस जाति के लिये मरेगा, और न केवल उस जाति के लिये बरन इस लिये भी कि परमेश्वर के तित्तर बित्तर सन्तानों को एक कर दे ॥

सो उसी दिन से वे उस के मार डालने की सम्मति करने लगे ॥

# प्रभु यीशु का प्रेम

---

यीशु यरूशलेम को जाते हुए सामरिया और गलील के बीच से होकर जा रहा था। किसी गांव में पैठते समय उसे दस कोढ़ी मिले और उन्हों ने दूर खड़े होकर, ऊंचे शब्द से कहा हे यीशु हे स्वामी हम पर दया कर। उस ने उन्हें देखकर कहा जाओ और अपने तईं याजकों को दिखाओ और जाते जाते वे शुद्ध हो गए। तब उन में से एक यह देखकर कि मैं चङ्गा हो गया हूं ऊंचे शब्द से परमेश्वर की बड़ाई करता हुआ लौटा। और यीशु के पांवों पर मुंह के बल गिरकर उस का धन्यवाद करने लगा और यह सामरी था। इस पर यीशु ने कहा क्या दसों शुद्ध न हुए तो फिर वे नौ कहां हैं। क्या इस परदेशी को छोड़ कोई और न निकला जो परमेश्वर की बड़ाई करता। तब उस ने उस से कहा उठकर चला जा तेरे विश्वास ने तुझे चङ्गा किया है ॥

---

**प्रार्थना**—हे परमेश्वर मेरा पाप छुड़ाकर मुझे शुद्ध कर ॥

---

यूहन्ना ११ : ४५–५३. लूका १७ : ११–१९.
भजन ५१ : १, २.

## उन्नीसवां दिवस

---

# प्रभु यीशु के कारण सब कुछ छोड़ने का बदला

---

किसी सरदार ने उस से पूछा हे उत्तम गुरु अनन्त जीवन का अधिकारी होने के लिये क्या करूं। यीशु ने उस से कहा...तू आज्ञाओं को तो जानता है कि व्यभिचार न करना खून न करना और चोरी न करना झूठी गवाही न देना अपने पिता और अपनी माता का आदर करना। उस ने कहा मैं तो इन सब को लड़कपन से मानता आया हूं। यह सुन यीशु ने उस से कहा तुझ में अब भी एक बात की घटी है अपना सब कुछ बेचकर कंगालों को बांट दे और तुझे स्वर्ग में धन मिलेगा और आकर मेरे पीछे हो ले। वह यह सुनकर बहुत उदास हुआ क्योंकि वह बड़ा धनी था॥

यीशु ने उसे देखकर कहा धनवानों का परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना कैसा कठिन है। परमेश्वर के राज्य में धनवान के प्रवेश करने से ऊंट का सूई के नाके में से निकल जाना सहज है। और सुननेवालों ने कहा तो किस का उद्धार हो सकता है। उस ने कहा जो मनुष्य से नहीं हो सकता वह परमेश्वर से हो सकता है॥

पतरस ने कहा देख हम तो घर बार छोड़कर तेरे पीछे हो लिए हैं। उस ने उन से कहा मैं तुम से सच कहता हूं कि ऐसा कोई नहीं जिस ने परमेश्वर के राज्य के लिये घर या पत्नी या भाइयों या माता पिता या लड़केवालों को छोड़ दिया हो, और इस समय कई गुना अधिक न पाए और परलोक में अनन्त जीवन ॥

उस ने बारहों को साथ लेकर उन से कहा देखो हम यरूशलेम को जाते हैं और जितनी बातें मनुष्य के पुत्र के लिये नबियों के द्वारा लिखी गईं वे सब पूरी होंगी। क्योंकि वह अन्य जातियों के हाथ सौंपा जाएगा और वे उसे ठट्ठों में उड़ाएंगे और उस का अपमान करेंगे और उस पर थूकेंगे। और उसे कोड़े मारेंगे और घात करेंगे और वह तीसरे दिन जी उठेगा। और उन्हों ने इन बातों में से कोई बात न समझी ॥

---

ध्यान—पौलुस प्रेरित ने कहा मैं अपने प्रभु मसीह यीशु की पहचान की उत्तमता के कारण सब बातों को हानि समझता हूं और उस के कारण मैं ने सब वस्तुओं की हानि उठाई और उन्हें कूड़ा सा समझता हूं कि मैं मसीह को लाभ में पाऊं ॥

---

लूका १८:१८–३४. फिलिप्पियों ३:८.

## बीसवां दिवस

---

# एक अंधा दृष्टि पाता है

---

जब यीशु यरीहो के निकट पहुंचा तो एक अंधा सड़क के किनारे बैठा हुआ भीख मांग रहा था। और वह भीड़ के चलने की आहट सुनकर पूछने लगा यह क्या हो रहा है। उन्हों ने उस को बताया कि यीशु नासरी जा रहा है। तब उस ने पुकार के कहा हे यीशु दाऊद के सन्तान मुझ पर दया कर। जो आगे जाते थे वे उसे डांटने लगे कि चुप रहे पर वह और भी पुकारने लगा कि हे दाऊद के सन्तान मुझ पर दया कर। तब यीशु ने खड़े होकर कहा उसे मेरे पास लाओ और जब वह निकट आया तो उस ने उस से यह पूछा, कि तू क्या चाहता है कि मैं तेरे लिये करूं। उस ने कहा हे प्रभु यह कि मैं देखने लगूं। यीशु ने उस से कहा देखने लग तेरे विश्वास ने तुझे अच्छा कर दिया है। और वह तुरन्त देखने लगा और परमेश्वर की बड़ाई करता हुआ उस के पीछे हो लिया और सब लोगों ने देखकर परमेश्वर की स्तुति की॥

# एक पापी उद्धार पाता है

यीशु यरीहो में आकर उस में जा रहा था। और देखो जक्कई नाम एक मनुष्य था जो महसूल लेनेवालों का सरदार और धनी था। वह यीशु को देखना चाहता था कि वह कौन सा है पर भीड़ के कारण देख न सकता था क्योंकि नाटा था। तब उस को देखने के लिये वह आगे दौड़कर एक गूलर के पेड़ पर चढ़ गया क्योंकि वह उसी मार्ग से जाने को था। जब यीशु उस जगह पहुंचा तो ऊपर दृष्टि कर उस से कहा हे जक्कई झट उतर आ क्योंकि आज मुझे तेरे घर में रहना अवश्य है। वह झट उतरकर आनन्द से उसे अपने घर ले गया। यह देखकर सब कुड़कुड़ाकर कहने लगे वह तो एक पापी मनुष्य के यहां उतरा है। जक्कई ने खड़े होकर प्रभु से कहा हे प्रभु देख मैं अपनी आधी संपत्ति कंगालों को देता हूं और यदि किसी से अन्याय करके कुछ ले लिया तो चौगुना फेर देता हूं। तब यीशु ने उस से कहा आज इस घर में उद्धार आया है इस लिये कि यह भी इब्राहीम का सन्तान है। क्योंकि मनुष्य का पुत्र (प्रभु यीशु) खोए हुओं को ढूंढ़ने और उन का उद्धार करने आया है॥

---

**ध्यान**—मांगो तो पाओगे कि तुम्हारा आनन्द पूरा हो जाए॥

---

लूका १८ : ३५–४३. लूका १९ : १–१०. यूहन्ना १६ : २४.

## इक्कीसवां दिवस

---

# सारे जगत का राजा यीशु फिर आएगा

---

जब यीशु जैतून के पहाड़ पर बैठा था तो चेलों ने अलग उस के पास आकर कहा हम से कह...तेरे आने का और जगत के अन्त का क्या चिन्ह होगा ।।

यीशु ने उन को उत्तर दिया चौकस रहो कि कोई तुम्हें न भरमाए। क्योंकि बहुतेरे मेरे नाम से आकर कहेंगे मैं मसीह हूं और बहुतों को भरमाएंगे। तुम लड़ाइयों और लड़ाइयों की चर्चा सुनोगे देखो न घबराना क्योंकि इन का होना अवश्य है पर उस समय अन्त न होगा। क्योंकि जाति पर जाति और राज्य पर राज्य चढ़ाई करेगा और जगह जगह अकाल पड़ेंगे और भुईंडोल होंगे।...और मेरे नाम के कारण सब जातियों के लोग तुम से बैर करेंगे।...पर जो अन्त तक धीरज धरे रहेगा उसी का उद्धार होगा। और राज्य का यह सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा कि सब जातियों पर गवाही हो और तब अन्त आ जाएगा ।।

तब स्वर्ग का राज्य दस कुंवारियों के समान ठहरेगा जो अपनी मशालें लेकर दूल्हे से भेंट करने को निकलीं। उन

में पांच मूर्ख और पांच समझदार थीं। मूर्खों ने अपनी मशालें तो लीं पर अपने साथ तेल न लिया। पर समझदारों ने अपनी मशालों के साथ अपनी कुप्पियों में तेल भर लिया। जब दूल्हे के आने में देर हुई तो वे सब ऊंघने लगीं और सो गईं। आधी रात को धूम मची कि देखो दूल्हा आ रहा है उस से भेंट करने को निकलो। तब वे सब कुंवारियां उठकर अपनी मशालें ठीक करने लगीं। और मूर्खों ने समझदारों से कहा अपने तेल में से कुछ हमें भी दो क्योंकि हमारी मशालें बुझी जाती हैं। पर समझदारों ने उत्तर दिया कि क्या जाने हमारे और तुम्हारे लिये पूरा न हो सो भला है कि तुम बेचनेवालों के पास जाकर अपने लिये मोल लो। ज्यों वे मोल लेने को जा रही थीं त्योंही दूल्हा आ पहुंचा और जो तैयार थीं वे उस के साथ ब्याह के घर में गईं और द्वार बन्द किया गया। पीछे वे दूसरी कुंवारियां भी आकर कहने लगीं हे स्वामी हे स्वामी हमारे लिये द्वार खोल दे। उस ने उत्तर दिया कि मैं तुम से सच कहता हूं मैं तुम्हें नहीं जानता ॥

इस लिये जागते रहो क्योंकि तुम न वह दिन और न वह घड़ी जानते हो ॥

---

**प्रार्थना—हे प्रभु यीशु आ ॥**

---

मत्ती २४ : ३–७, ९, १३, १४. मत्ती २५ : १–१३.
प्रकाशित २२ : २०.

# देनेवाली मरयम और चोर यहूदाह

फिर यीशु फसह से छः दिन पहिले बैतनिय्याह में आया जहां लाजर था जिसे यीशु ने मरे हुओं में से जिलाया था। वहां उन्हों ने उस के लिये बियारी बनाई और मरथा सेवा कर रही थी और लाजर उन में से एक था जो उस के साथ खाने को बैठे थे। तब मरयम ने जटामासी का आध सेर बहुमोल खरा अतर लेकर यीशु के पांवों पर ढाला और अपने बालों से उस के पांव पोंछे और अतर की गंध से घर सुगन्धित हो गया। पर उस के चेलों में से यहूदाह इस्करियोती नाम एक चेला जो उसे पकड़वाने पर था कहने लगा, यह अतर तीन सौ दीनार में बेचकर कंगालों को क्यों न दिया गया। उस ने यह बात इस लिये न कही कि उसे कंगालों की चिन्ता थी पर इस लिये कि वह चोर था और उस के पास उन की थैली रहती थी और उस में जो कुछ डाला जाता था सो निकाल लेता था। यीशु ने कहा उसे मेरे गाड़े जाने के दिन के लिये रखने दे। कंगाल तो तुम्हारे साथ सदा रहते हैं पर मैं तुम्हारे साथ सदा न रहूंगा॥

दूसरे दिन बहुत से लोगों ने जो पर्व में आए थे यह सुनकर कि यीशु यरूशलेम में आता है, खजूर की डालिया लीं और उस से भेंट करने को निकले और पुकारने लगे कि होशाना धन्य इस्राईल का राजा जो प्रभु के नाम से आता है। जब यीशु को एक गदहे का बच्चा मिला तो उस पर बैठा। जैसा लिखा है कि हे सिय्योन की बेटी मत डर देख तेरा राजा गदहे के बच्चे पर चढ़ा हुआ चला आता है। उस के चेले ये बातें पहिले न समझे थे पर जब यीशु की महिमा प्रगट हुई तो उन को स्मरण आया कि ये बातें उस के विषय में लिखी हुई थी और लोगों ने उस से ऐसा बरताव किया था॥

सो फरीसियों ने आपस में कहा सोचो तो कि तुम से कुछ नहीं बनता देखो संसार उस के पीछे हो चला है॥

तब यहूदाह इस्करियोती नाम बारहों में से एक ने महायाजकों के पास जाकर कहा, यदि मैं उसे तुम्हारे हाथ पकड़वा दूं तो मुझे क्या दोगे उन्होंने उसे तीस चांदी के सिक्के तौल कर दे दिये। और यह उसी समय से उसे पकडवाने का अवसर ढूंढ़ने लगा॥

---

**ध्यान**—रुपये का लोभ सब बुराइयों की जड़ है॥

---

यूहन्ना १२ : १–८, १२–१६, १९. मत्ती २६ : १४–१६.
१ तीमुथियुस ६ : १०.

# तेईसवां दिवस

## "मेरे स्मरण के लिये यही किया करो"

तब अखमीरी रोटी के पर्व का दिन आया जिस में फसह का मेमना मारना चाहिये था और यीशु ने पतरस और यूहन्ना को यह कहके भेजा कि जाकर हमारे खाने के लिये फसह तैयार करो ॥

जब घड़ी पहुंची तो वह प्रेरितों के साथ भोजन करने बैठा ॥

उन में यह विवाद हुआ कि हम में से कौन बड़ा समझा जाता है। उस ने उन से कहा अन्यजातियों के राजा उन पर प्रभुता करते हैं और जो उन पर अधिकार रखते हैं वे उपकारक कहलाते हैं। पर तुम ऐसे न होना बरन जो तुम में बड़ा है वह छोटे की नाईं और जो प्रधान है वह टहलुए की नाईं बने। बड़ा कौन है भोजन पर बैठनेवाला या टहलुआ क्या भोजन पर बैठनेवाला नहीं पर मैं तुम्हारे बीच में टहलुए की नाईं हूं ॥

और जब शैतान शमौन के पुत्र यहूदाह इस्करियोती के मन में यह डाल चुका था कि उसे पकड़वाए तो बियारी के समय, यीशु ने यह जानकर कि पिता ने सब कुछ मेरे हाथ में कर दिया और मैं परमेश्वर के पास से आया हूं और परमेश्वर के पास जाता हूं, बियारी से उठकर अपने कपड़े उतार दिए और

अंगोछा लेकर अपनी कमर बांधी। तब बरतन में पानी भरकर चेलों के पांव धोने और जिस अंगोछे से उस की कमर बंधी थी उस से पोंछने लगा॥

जब वह उन के पांव धो चुका और अपने कपड़े पहिनकर फिर बैठ गया तो उन से कहने लगा क्या तुम समझे कि मैं ने तुम्हारे साथ क्या किया। तुम मुझे गुरु और प्रभु कहते हो और भला कहते हो क्योंकि वही हूं। सो यदि मैं ने प्रभु और गुरु होकर तुम्हारे पांव धोए तो तुम्हें भी एक दूसरे के पांव धोना चाहिए। क्योंकि मैं ने तुम्हें नमूना दिखा दिया है कि जैसा मैं ने तुम्हारे साथ किया है तुम भी किया करो॥

फिर उस ने रोटी ली और धन्यवाद करके तोड़ी और उन को यह कहते हुए दी कि यह मेरी देह है जो तुम्हारे लिये दी जाती है मेरे स्मरण के लिये यही किया करो। इसी रीति से उस ने बियारी के पीछे कटोरा भी यह कहते हुए दिया कि यह कटोरा मेरे उस लोहू में जो तुम्हारे लिये बहाया जाता है नई बाचा है॥

---

**ध्यान**—मनुष्य का पुत्र (प्रभु यीशु) इस लिये नहीं आया कि उस की सेवा टहल की जाय पर इस लिये आया कि आप सेवा टहल करे और बहुतों की छुड़ौती के लिये अपना प्राण दे॥

---

लूका २२ : ७, ८, १४, २४—२७. यूहन्ना १३ : २—५, १२—१५.
लूका २२ : १९, २०. मरकुस १० : ४५.

# प्रेम, आनन्द और शान्ति

प्रभु यीशु ने अपने प्रेरितों से कहा तुम्हारा मन न घबराए परमेश्वर पर विश्वास रखते हो मुझ पर भी विश्वास रक्खो। मेरे पिता के घर में बहुत से रहने के स्थान हैं यदि न होते तो मैं तुम से कह देता। मैं तुम्हारे लिये जगह तैयार करने जाता हूं। यदि मैं जाकर तुम्हारे लिये जगह तैयार करूं तो फिर आकर तुम्हें अपने यहां ले जाऊंगा कि जहां मैं रहूं वहा तुम भी रहो। और जहां मैं जाता हूं तुम वहां का मार्ग जानते हो। तोमा ने उस से कहा हे प्रभु हम नहीं जानते तू कहां जाता है तो मार्ग कैसे जानें। यीशु ने उस से कहा मार्ग और सत्य और जीवन मैं ही हूं बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुंचता॥

ये बातें मैं ने तुम्हारे साथ रहते हुए तुम से कहीं। पर सहायक अर्थात् पवित्र आत्मा जिसे पिता मेरे नाम से भेजेगा वह तुम्हें सब बातें सिखाएगा और जो कुछ मैं ने तुम से कहा है वह सब तुम्हें स्मरण कराएगा। मैं तुम्हें शान्ति दिए जाता हूं अपनी शान्ति तुम्हें देता हूं जैसे संसार देता है मैं तुम्हें नहीं देता। तुम्हारा मन न घबराए और न डरे॥

यदि तुम मेरी आज्ञाओं को मानोगे तो मेरे प्रेम में बने रहोगे जैसा कि मैं ने अपने पिता की आज्ञाओं को माना है और उस के प्रेम में बना रहता हूं। मैं ने ये बातें तुम से इस लिये कही हैं कि मेरा आनन्द तुम में रहे और तुम्हारा आनन्द पूरा हो जाए। मेरी आज्ञा यह है कि जैसा मैं ने तुम से प्रेम रक्खा वैसा ही तुम भी एक दूसरे से प्रेम रक्खो। इस से बड़ा प्रेम किसी का नहीं कि कोई अपने मित्रों के लिये अपना प्राण दे। जो कुछ मैं तुम्हें आज्ञा देता हूं यदि उसे करो तो मेरे मित्र हो॥

देखो वह घड़ी आती है बरन आ पहुंची कि तुम सब तित्तर बित्तर होकर अपना अपना मार्ग लोगे और मुझे अकेला छोड़ दोगे तौभी मैं अकेला नहीं क्योंकि पिता मेरे साथ है। मैं ने ये बातें तुम से इस लिये कही हैं कि तुम्हें मुझ में शान्ति मिले। संसार में तुम्हें क्लेश होता है पर ढाढ़स बांधो मैं ने संसार को जीता है॥

---

**ध्यान**—आत्मा का फल प्रेम आनन्द मेल धीरज कृपा भलाई विश्वास नम्रता और संयम है॥

---

यूहन्ना १४ : १–६, २५–२७. यूहन्ना १५ : १०–१४.
यूहन्ना १६ : ३२, ३३. गलतियों ५ : २२, २३.

## पचीसवां दिवस

# प्रभु यीशु के दुखों का आरम्भ होना

तब यीशु बाहर निकलकर अपनी रीति के अनुसार जैतून पहाड़ पर गया और चेले उस के पीछे हो लिए। उस जगह पहुंचकर उस ने उन से कहा प्रार्थना करो कि तुम परीक्षा में न पड़ो। और वह आप उन से अलग ढेला फेंकने के टप्पे भर गया और घुटने टेककर प्रार्थना करने लगा, कि हे पिता यदि तू चाहे तो इस कटोरे को मेरे पास से हटा ले तौभी मेरी नहीं पर तेरी इच्छा पूरी हो। तब स्वर्ग से एक दूत जो उसे सामर्थ देता था उस को दिखाई दिया। और वह बड़े संकट में होकर और भी लौ लगाकर प्रार्थना करने लगा और उस का पसीना लोहू के थक्के की नाईं भूमि पर गिर रहा था। तब वह प्रार्थना से उठा और अपने चेलों के पास आकर उन्हें उदासी के मारे सोते पाया। और उन से कहा क्यों सोते हो उठो प्रार्थना करो कि परीक्षा में न पड़ो॥

वह यह कह ही रहा था कि देखो एक भीड़ आई और बारहों में से एक जिस का नाम यहूदाह था उन के आगे आगे आ रहा था और यीशु का चूमा लेने को उस के पास आया। यीशु ने उस से कहा क्या तू मनुष्य के पुत्र को चूमा लेकर पकड़वाता है॥

वे यीशु को पकड़ के ले चले और महायाजक के घर में लाए और पतरस दूर दूर पीछे पीछे चलता था ॥

जो मनुष्य यीशु को पकड़े थे वे उसे ठट्ठों में उड़ाकर पीटने लगे ॥

जब दिन हुआ तो लोगों के पुरनिए और महायाजक और शास्त्री इकट्ठे हुए और उसे अपनी महासभा में लाकर पूछा, यदि तू मसीह है तो हम से कह दे। उस ने उन से कहा यदि मैं तुम से कहूं तो प्रतीति न करोगे, और यदि पूछूं तो उत्तर न दोगे। पर अब से मनुष्य का पुत्र सर्वशक्तिमान परमेश्वर की दहिनी ओर बैठा रहेगा। सब ने कहा तो क्या तू परमेश्वर का पुत्र है। उस ने उन से कहा तुम आप कहते हो क्योंकि मैं हूं। तब उन्हों ने कहा अब हमें गवाही का क्या प्रयोजन है क्योंकि हम ने आप ही उस के मुंह से सुना है ॥

---

**ध्यान**—वह तुच्छ जाना जाता था और पुरुषों का त्यागा हुआ था। वह दुःखी पुरुष था और रोग से उस की जान पहिचान थी। निश्चय वह हमारे ही रोगों को उठाता था और हमारे ही दुःखों से लदा हुआ था। पर वह हमारे अपराधों के कारण घायल किया गया और हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया था जिस ताड़ना से हमारे लिये शान्ति उपजे सो उस पर पड़ी और उस के कोड़े खाने से हम लोग चंगे हो सकें ॥

---

लूका २२:३९–४८, ५४, ६३, ६६–७१. यशायाह ५३:३–५.

## छब्बीसवां दिवस

# प्रभु यीशु पर मृत्यु की आज्ञा होती है

तब सारी सभा उठकर उसे पीलातुस के पास ले गई। और वे यह कहकर उस पर दोष लगाने लगे कि हम ने इसे लोगों को बहकाते और कैसर को कर देने से मना करते और अपने आप को मसीह राजा कहते हुए सुना। पीलातुस ने उस से पूछा क्या तू यहूदियों का राजा है। उस ने उसे उत्तर दिया कि तू आप ही कह रहा है। तब पीलातुस ने महायाजकों और लोगों से कहा मैं इस मनुष्य में कुछ दोष नहीं पाता।...सो मैं उसे पिटवाकर छोड़ देता हूं। सब मिलकर चिल्ला उठे कि इस का काम तमाम कर और हमारे लिये बरअब्बा को छोड़ दे। यह किसी बलवे के कारण जो नगर में हुआ था और खून के कारण जेलखाने में डाला गया था। पर पीलातुस ने यीशु को छोड़ने की इच्छा कर लोगों को फिर समझाया। पर उन्हों ने चिल्लाकर कहा कि उसे क्रूस पर चढ़ा क्रूस पर। उस ने तीसरी बार उन से कहा क्यों उस ने कौन सी बुराई की है। मैं ने उस में मृत्यु के दण्ड के योग्य कोई बात नहीं पाई इस लिये मैं उसे पिटवाकर छोड़ देता हूं। पर वे चिल्ला चिल्लाकर पीछे पड़ गए कि वह क्रूस पर चढ़ाया जाए और उन का चिल्लाना प्रबल हुआ॥

सी पीलातुस ने आज्ञा दी कि उन के मांगने के अनुसार किया जाए। और उस ने उस मनुष्य को जो बलवे और खून के कारण जेलखाने में डाला गया था और जिसे वे मांगते थे छोड़ दिया और यीशु को उन की इच्छा के अनुसार सौंप दिया॥

लोगों की बड़ी भीड़ उस के पीछे हो ली और बहुत सी स्त्रियां भी जो उस के लिये छाती पीटती और विलाप करती थीं। यीशु ने उन की ओर फिरकर कहा हे यरूशलेम की पुत्रियो मेरे लिये मत रोओ पर अपने और अपने बालकों के लिये रोओ। क्योंकि देखो वे दिन आते हैं जिन में कहेंगे धन्य वे जो बांझ हैं और वे गर्भ जो न जने और वे स्तन जिन्हों ने दूध न पिलाया। उस समय वे पहाड़ों सें कहने लगेंगे कि हम पर गिरो और टीलों से कि हमें ढांप लो। क्योंकि जब वे हरे पेड़ के साथ ऐसा करते हैं तो सूखे के साथ क्या न किया जाएगा॥

---

**ध्यान**—हम तो सब के सब भेड़ों की नाईं भटक गये थे बरन हम ने अपना अपना मार्ग लिया पर परमेश्वर ने हम सभों के अधर्म का भार उसी पर डाल दिया॥

---

लूका २३ : १–४, १६–२५, २७–३१. यशायाह ५३ : ६.

## सत्ताईसवां दिवस

# प्रभु यीशु की मृत्यु

वे और दो मनुष्यों को भी जो कुकर्मी थे उस के साथ घात करने को ले चले। जब वे उस जगह जिसे खोपड़ी कहते हैं पहुंचे तो उन्हों ने वहां उसे और उन कुकर्मियों को भी एक को दहिनी और दूसरे को बाईं ओर क्रूसों पर चढ़ाया। तब यीशु ने कहा हे पिता इन्हें क्षमा कर क्योंकि जानते नहीं कि क्या कर रहे हैं। और उन्हों ने चिट्ठिया डालकर उस के कपड़े बांट लिये। लोग खड़े खड़े देख रहे थे और सरदार भी ठट्ठा कर करके कहते थे कि इस ने औरों को बचाया यदि यह परमेश्वर का मसीह और उस का चुना हुआ है तो अपने आप को बचा ले। सिपाही भी पास आकर और सिरका देकर उस का ठट्ठा करके कहते थे, यदि तू यहूदियों का राजा है तो अपने आप को बचा। और उस के ऊपर एक पत्र भी लगा था कि यह यहूदियों का राजा है॥

जो कुकर्मी लटकाए गये थे उन में से एक ने उस की निन्दा करके कहा क्या तू मसीह नहीं तो अपने आप को और हमें बचा। इस पर दूसरे ने उसे डांटकर कहा क्या तू परमेश्वर से भी कुछ नहीं डरता। तू भी तो वही दण्ड

पा रहा है। और हम तो न्याय अनुसार दण्ड पा रहे हैं क्योंकि हम अपने कामों का ठीक फल पा रहें हैं पर इस ने कोई अनुचित काम नहीं किया। तब उस ने कहा हे यीशु जब तू अपने राज्य में आए तो मेरी सुध लेना। उस ने उस से कहा मैं तुझ से सच कहता हूं कि आज ही तू मेरे साथ स्वर्ग लोक में होगा॥

और लगभग दो पहर से तीसरे पहर तक सारे देश में अंधेरा छाया रहा। और सूरज का उजाला जाता रहा और मन्दिर का परदा बीच से फट गया। और यीशु ने बड़े शब्द से पुकारकर कहा हे पिता मैं अपना आत्मा तेरे हाथों में सौंपता हूं और यह कहकर प्राण छोड़ा॥

सूबेदार ने जो कुछ हुआ था देखकर परमेश्वर की बड़ाई की और कहा निश्चय यह मनुष्य धर्मी था। और भीड़ जो यह देखने को इकट्ठी हुई थी सब जो हुआ था देखकर छाती पीटती हुईं लौट गईं। और उस के सब जान पहचान और जो स्त्रियां गलील से उस के साथ आई थीं दूर खड़ी हुई यह सब देख रही थीं॥

---

**ध्यान**—पवित्र शास्त्र के अनुसार मसीह हमारे पापों के लिये मरा। परमेश्वर के पुत्र यीशु का लोहू हमें सब पाप से शुद्ध करता है॥

---

लूका २३ : ३२–४९. १ कुरिन्थियों १५ : ३. १ यूहन्ना १ : ७.

# प्रभु यीशु मृत्यु से पार होकर जीवन में पहुंचता है

और देखो यूसुफ नाम एक मन्त्री जो उत्तम और धर्मी पुरुष, और उन के विचार और उन के इस काम से प्रसन्न न था और वह यहूदियों के नगर अरिमतीया का रहनेवाला और परमेश्वर के राज्य की बाट जोहनेवाला था। उस ने पीलातुस के पास जाकर यीशु की लोथ मांग ली। और उसे उतारकर चादर में लपेटा और एक कबर में रक्खा जो चटान में खोदी हुई थी और उस में कोई कभी न रक्खा गया था। वह तैयारी का दिन था और विश्राम का दिन होने पर था। और उन स्त्रियों ने जो उस के साथ गलील से आई थीं पीछे पीछे जाकर उस कबर को देखा और यह भी कि उस की लोथ किस रीति से रक्खी गई। और लौटकर सुगन्धित वस्तुएं और अतर तैयार किया और विश्राम के दिन तो उन्हों ने आज्ञा के अनुसार विश्राम किया॥

पर अठवारे के पहिले दिन बड़ी भोर वे उन सुगन्धित वस्तुओं को जो उन्हों ने तैयार की थीं ले के कबर पर आईं। और उन्हों ने पत्थर को कबर पर से लुढ़का हुआ पाया।

और भीतर जाकर प्रभु यीशु की लोथ न पाई। जब वे इस वात से हक्का बक्का हो रही थीं तो देखो दो पुरुष झलकते वस्त्र पहिने हुए उन के पास आ खड़े हुए। जब वे डर गईं और धरती की ओर मुंह झुकाए रहीं तो उन्हों ने उन से कहा तुम जीवते को मरे हुओं में क्यों ढूंढ़ती हो। वह यहां नहीं पर जी उठा है स्मरण करो कि उस ने गलील में रहते हुए तुम से कहा था, अवश्य है कि मनुष्य का पुत्र पापियों के हाथ में पकड़वाया जाए और क्रूस पर चढ़ाया जाए और तीसरे दिन जी उठे। तब उस की बातें उन को स्मरण आईं। और कबर से लौटकर उन्हों ने उन ग्यारहों को और और सब को ये सब बातें बता दीं ॥

पर उन की बातें उन्हें कहानी सी समझ पड़ीं और उन्हों ने उन की प्रतीति न की ॥

---

**स्तुति**—जय ने मृत्यु को निगल लिया। हे मृत्यु तेरी जय कहां हे मृत्यु तेरा डंक कहां। मृत्यु का डंक पाप है।... परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है ॥

---

लूका २३:५०–५६. लूका २४:१–९, ११.
१ कुरिन्थियों १५:५४–५७.

## उन्तीसवां दिवस

# "मैं तुम्हारे साथ हूं"

देखो उसी दिन उन में से दो जन इम्माऊस नाम एक गांव को जा रहे थे जो यरूशलेम से कोस चार एक पर था ॥

और जब वे बातचीत और पूछपाछ कर रहे थे तो यीशु आप पास आकर उन के साथ हो लिया। पर उन की आंखें ऐसी बन्द कर दी गईं थीं कि उसे पहचान न सके। उस ने उन से पूछा ये क्या बातें हैं जो तुम चलते चलते आपस में करते हो। वे उदास से खड़े रह गये ॥

उन्हों ने उस से कहा यीशु नासरी के विषय जो परमेश्वर और सब लोगों के निकट काम और बचन में सामर्थी नबी था। और महायाजकों और हमारे सरदारों ने उसे पकड़वा दिया कि उस पर मृत्यु की आज्ञा दी जाए और उसे क्रूस पर चढ़वाया। पर हमें आशा थी कि यही इस्राईल को छुटकारा देगा और इन सब बातों को छोड़ इस बात को हुए तीसरा दिन है ॥

तब उस ने उन से कहा हे निर्बुद्धियो और नबियों की सब बातों पर विश्वास करने में मन्दमतियो। क्या अवश्य न था कि मसीह ये दुःख उठाकर अपनी महिमा में प्रवेश करे।

तब उस ने मूसा से और सब नबियों से आरम्भ करके सारे पवित्र शास्त्रों में अपने विषय की बातों का अर्थ उन्हें समझा दिया। इतने में वे उस गांव के पास पहुंचे जहां वे जा रहे थे और उस के ढंग से ऐसा जान पड़ा कि आगे बढ़ा चाहता है। पर उन्हों ने यह कहकर उसे रोका कि हमारे साथ रह क्योंकि सांझ हो चली और दिन अब बहुत ढल गया है। तब वह उन के साथ रहने को भीतर गया॥

जब वह उन के साथ भोजन करने बैठा तो उस ने रोटी लेकर धन्यवाद किया और उसे तोड़कर उन को देने लगा। तब उन की आंखें खुल गईं और उन्हों ने उसे पहचान लिया और वह उन की आंखों से छिप गया। उन्हों ने आपस में कहा जब वह मार्ग में हम से बातें करता था और पवित्र शास्त्र का अर्थ हमें समझाता था तो क्या हमारे मन में उमङ्ग न आई॥

वे उसी घड़ी उठकर यरूशलेम को लौट गए और उन ग्यारहों और उन के साथियों को इकट्ठे पाया। वे कहते थे प्रभु सचमुच जी उठा है और शमौन को दिखाई दिया है। तब उन्हों ने मार्ग की बातें उन्हें बता दीं और यह भी कि उन्हों ने उसे रोटी तोड़ते समय क्योंकर पहचाना॥

---

**ध्यान**—जी उठने के पीछे प्रभु यीशु ने कहा देखो मैं जगत के अन्त तक सब दिन तुम्हारे साथ हूं॥

---

लूका २४:१३, १५–१७, १९–२१, २५–३५. मत्ती २८:२०.

# प्रभु यीशु अपने पिता परमेश्वर के पास लौट जाता है

यीशु ने दुख उठाने के पीछे बहुतेरे पक्के प्रमाणों से अपने आप को...उन प्रेरितों को जिन्हें उस ने चुना था... जीवता दिखाया कि चालीस दिन तक वह उन्हें दिखाई देता रहा और परमेश्वर के राज्य की बातें करता रहा। और उन से मिलकर उन्हें आज्ञा दी कि यरूशलेम को न छोड़ो परन्तु पिता की उस प्रतिज्ञा के पूरे होने की बाट जोहते रहो जिस की चर्चा तुम मुझ से सुन चुके हो। क्योंकि यूहन्ना ने तो पानी से बप्तिस्मा दिया पर थोड़े दिनों के पीछे तुम पवित्रात्मा से बप्तिस्मा पाओगे॥

सो उन्हों ने इकट्ठे होकर उस से पूछा कि हे प्रभु क्या तू इसी समय इस्राईल को राज्य फेर देता है। उस ने उन से कहा उन समयों या कालों को जानना जिन को पिता ने अपने ही अधिकार में रक्खा है तुम्हारा काम नहीं। पर जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ पाओगे और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में और पृथ्वी के छोर तक मेरे गवाह होगे॥

यह कहकर वह उन के देखते देखते ऊपर उठा लिया गया और बादल ने उसे उन की आंखों से छिपा लिया। और उस के जाते हुए जब वे आकाश की ओर ताक रहे थे तो देखो दो पुरुष उजला वस्त्र पहिने हुए उन के पास आ खड़े हुए। और कहने लगे हे गलीली पुरुषो तुम क्यों खड़े स्वर्ग की ओर देख रहे हो। यही यीशु जो तुम्हारे पास से स्वर्ग पर उठा लिया गया है जिस रीति से तुम ने उसे स्वर्ग को जाते देखा उसी रीति से फिर आएगा॥

---

## यीशु मसीह
## जो विश्वासयोग्य साक्षी
## और मरे हुओं में से जी उठनेवालों में पहिलौठा
## और पृथ्वी के राजाओं का हाकिम हैं

**स्तुति**—जो हम से प्रेम रखता है और जिस ने अपने लोहू के द्वारा हमें पापों से छुड़ाया, और हमें एक राज्य और अपने पिता परमेश्वर के लिये याजक भी बना दिया उसी की महिमा और पराक्रम युगानुयुग रहे। आमीन॥

---

प्रेरितों के काम १ : १–११. प्रकाशित १ : ५, ६.

# प्रभु यीशु पर विश्वास करने से उद्धार मिलता है

यीशु ने और भी बहुत से चिन्ह चेलों के सामने दिखाए जो इस पुस्तक में लिखे नहीं गए। पर ये इस लिये लिखे गए हैं कि तुम विश्वास करो कि यीशु ही परमेश्वर का पुत्र मसीह है और विश्वास करके उस के नाम से जीवन पाओ ॥

जितनों ने उसे ग्रहण किया उस ने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने का अधिकार दिया अर्थात उन्हें जो उस के नाम पर विश्वास करते हैं ॥

## आओ

प्रभु यीशु ने कहा

हे सब थके और बोझ से दबे लोगो मेरे पास आओ मैं तुम्हें विश्राम दूंगा। मेरा जूआ अपने ऊपर उठा लो और मुझ से सीखो क्योंकि मैं नम्र और मन में दीन हूं और तुम अपने

मन में बिश्राम पाओगे। क्योंकि मेरा जूआ सहज और मेरा

बोझ हलका है ॥

जो कोई मेरे पास आएगा उसे मैं कभी न निकालूंगा ॥

आ, मेरे पीछे हो ले ॥

देख मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूं यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा तो मैं उस के पास भीतर आकर उस के साथ भोजन करूंगा और वह मेरे साथ ॥

## जाओ

### प्रभु यीशु ने कहा

अपने घर जाकर अपने लोगों को बता कि तुझ पर दया करके प्रभु ने तेरे लिये कैसे बड़े काम किये हैं ॥

तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला करो और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्रात्मा के नाम में बप्तिस्मा दो। और उन्हें सब बातें जो मैं ने तुम्हें आज्ञा दी है मानना सिखाओ और देखो मैं जगत के अन्त तक सब दिन तुम्हारे साथ हूं ॥

---

यूहन्ना २० : ३०, ३१. यूहन्ना १ : १२. मत्ती ११ : २८—३०.
यूहन्ना ६ : ३७. मरकुस १० : २१. प्रकाशित ३ : २०.
मरकुस ५ : १९. मत्ती २८ : १९, २०.

## पवित्र यूहन्ना ने दर्शन पाया

फिर मैं नें नए आकाश और नई पृथ्वी को देखा क्योंकि पहिला आकाश और पहिली पृथ्वी जाती रही थी और समुद्र भी जा रहा। फिर मैं ने पवित्र नगर नई यरूशलेम को स्वर्ग से परमेश्वर के पास से उतरते देखा और वह उस दुल्हिन के समान थी जो अपने पति के लिये सिंगार किए हो। फिर मैं ने सिंहासन में से किसी को ऊंचे शब्द से यह कहते हुए सुना कि देख परमेश्वर का डेरा मनुष्यों के बीच में है वह उन के साथ डेरा करेगा और वे उस के लोग होंगे और परमेश्वर आप उन के साथ रहेगा और उन का परमेश्वर होगा। और वह उन की आंखों से सब आंसू पोंछ डालेगा और इस के पीछे मृत्यु न रहेगी और न शोक न विलाप न पीड़ा रहेगी पहिली बातें जाती रहीं। और जो सिंहासन पर बैठा था उस नें कहा कि देख मैं सब कुछ नया कर देता हूं। फिर उस ने कहा कि लिख ले क्योंकि ये वचन विश्वास के योग्य और सत्य हैं। फिर उस ने मुझ से कहा ये बातें पूरी हो गईं। मैं...आदि और अन्त हूं मैं प्यासे को जीवन के जल के सोते से सेंतमेंत पिलाऊंगा। जो जय पाए वही इन वस्तुओं का वारिस होगा और मैं उस का परमेश्वर होऊंगा और वह मेरा पुत्र होगा॥

प्रभु यीशु ने कहा देख मैं शीघ्र आनेवाला हूं और हर एक के काम के अनुसार बदला देने के लिये प्रतिफल मेरे पास है। मैं...पहिला और पिछला आदि और अन्त हूं॥

---

प्रकाशित २१: १–७. प्रकाशित २२: १२, १३.